

विद्या - भवन बालिका विद्यापीठ , लखीसराय

वर्ग - द्वितीय

दिनांक :- 25/06/2021

विषय - सह - शैक्षणिक गतिविधि

एनसीईआरटी पर आधारित

शेर की चाल



एक जंगल में चार बैल रहते थे। उनमें गहरी मित्रता थी। शेर जब भी उन चारों को देखता तो यही सोचता, 'कहीं मुझे कोई बैल अकेला मिल जाए तो मैं उसे मारकर खा जाऊँ।' शेर की यह इच्छा कभी पूरी नहीं हुई,

क्योंकि चारों हमेशा झुंड बनाकर रहते थे। उनके बड़े-बड़े सींग देखकर शेर दूर से ही जाता था। वह यह बात भली-भाँति समझ गया था कि चारों के साथ रहते तो वह उनका सामना नहीं कर सकता।

इसलिए वह कोई ऐसी योजना सोचने लगा जिससे उनकी मित्रता तोड़ी जाए। एक दिन वह एक बैल के पास गया और उससे बोला, “तुम्हारे तीनों मित्र कहते हैं कि तुम सबसे निर्बल और मूर्ख हो।”

यह सुनकर बैल को बहुत बुरा लगा और उसने दूसरे बैलों से बोलना छोड़ दिया। शेर ने बाकी तीनों को भी इसी तरह भड़काया। चारों आपस में नाराज हो गए।

तब शेर ने एक दिन एक बैल पर हमला कर दिया, पर बाकी बैल तुरंत उसकी सहायता को आ पहुँचे और उसे खदेड़ दिया। जब पहले बैल ने उनको धन्यवाद दिया तो वे बोले, “हम मूर्ख नहीं हैं, जो शेर की चाल में आ जाते।”

शिक्षा : एकता में ही बल है।

ज्योति